A–0638

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DVK-104

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

ग्रह शान्ति एवं संस्कार विधान

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पञ्चांग पूजन विधि का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. यमल जनन शान्ति विधान का वर्णन कीजिए।

3. संस्कारों का व्यक्तित्व निर्माण में पड़ने वाले प्रभावों का वर्णन कीजिए।

4. नामकरण संस्कार के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

5. उपनयन को करने की विधि का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. चन्द्र ग्रह शान्ति विधान का वर्णन कीजिए।

2. नवग्रहों के पौराणिक मंत्रों को लिखिए।

3. नाम के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. पंचामृत निर्माण के मंत्रों को लिखिए।

5. विवाह में गुरुबल के महत्व को लिखिए।

6. संस्कारों के भौतिक उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

7. विद्यारम्भ के शुभाशुभ मुहूर्तों का वर्णन कीजिए।

8. ब्रह्मचर्याश्रम के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

****